Ans. (d) : टोंक जिला राजस्थान के उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान प्रकार के कृषि जलवायु प्रदेश में सम्मिलित नही है। उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान प्रकार की जलवायु के अन्तर्गत भीलवाड़ा, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ आता है। आर्द दक्षिणी मैदान प्रकार की जलवायु के अन्तर्गत डूंगरपुर, बॉसवाड़ा चित्तौड़गढ़ एवं उदयपुर आता है। टोंक अर्द्धशुष्क पूर्वी मैदानी कृषि जलवायु प्रदेश का भाग है।

434. निम्न में से राजस्थान के किस कृषि-जलवायु क्षेत्र में 'किन्नू' की पैदावार की जाती है?

(a) I बी (b) II बी
(c) III बी (d) IV बी

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (a) : राजस्थान में सर्वाधिक किन्नू का उत्पादन गंगानगर व हनुमानगढ़ जिले में होता है, जो कृषि जलवायु क्षेत्र 1B के तहत आते हैं। कृषि जलवायु क्षेत्र 1B के तहत राजस्थान का सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदान शामिल है।

435. स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (सेम) किस स्थिति से संबंधित है?

(a) रेत/रेत के टीलों का निर्माण
(b) पारिस्थितिकी में परिवर्तन
(c) मिट्टी/मिट्टी का कटाव/क्षरण
(d) वन कटाव

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (b) : स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (सेम) पारिस्थितिकी परिवर्तन से संबंधित है। संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग एक बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय विश्लेषण तकनीकी है, जिसका उपयोग संरचनात्मक संबंधों का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है।

436. राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ चक्रवातों को _____कहते हैं।

(a) लू (b) गरज बौछार
(c) मावठ (d) ओलावृष्टि

RPSC-1996

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (c) भूमध्य सागर से उठने वाली चक्रवातों के कारण राजस्थान के पश्चिमी भागों में शीतकाल में होने वाली वर्षा को स्थानीय भाषा में 'मावठ' कहते हैं। इन भूमध्य सागरीय चक्रवातों को पश्चिमी विक्षोभ भी कहा जाता है। राजस्थान में इस मावठ वर्षा से रबी फसलों को सर्वाधिक लाभ होता है।

437. जयपुर, दौसा तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की जलवायु पाई जाती है?

(a) आर्द्र (b) उप-आर्द्र
(c) ऊष्ण-आर्द्र (d) अर्द्ध-शुष्क

सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021

Ans. (d) जयपुर, दौसा तथा अजमेर जिलों में अर्द्ध शुष्क जलवायु पाई जाती है। अर्द्ध शुष्क जलवायु क्षेत्र में गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, चुरू, सीकर, झुंझनू, जोधपुर, पाली, जालौर, नागौर, जयपुर, टोंक, दौसा, अजमेर आदि शामिल हैं।

438. राजस्थान राज्य में पर्यावरण विभाग कब स्थापित किया गया?

(a) 1973 (b) 1983
(c) 1984 (d) 1972

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (b) राजस्थान में पर्यावरण विभाग का गठन वर्ष 1983 में किया गया था। पर्यावरण विभाग का कार्य निम्नलिखित है-
(1) पारिस्थितिकी सन्तुलन का संरक्षण।
(2) पर्यावरण सम्बन्धि मामलों पर अनुसंधान और अध्ययन।
(3) पर्यावरण से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी गतिविधियाँ।

439. राजस्थान में निम्नलिखित में से किस जिले में वार्षिक वर्षा में अधिकतम विषमता पायी जाती है?

(a) बाड़मेर (b) जयपुर
(c) जैसलमेर (d) बांसवाड़ा

उद्योग प्रसार अधिकरी-2018

प्रयोगशाला सहायक-2018 (03 फरवरी 2019)

Ans. (c) राजस्थान के जैसलमेर जिले में वार्षिक वर्षा में विषमता का प्रतिशत सर्वाधिक है। पूर्वोत्तर मानसून के दौरान भिन्नता का गुणांक जैसलमेर में 217.14% है जो राजस्थान के सभी जिलों में सर्वाधिक है तथा सबसे कम परिवर्तनशीलता झुंझुनू जिले (81.05%) है। बीकानेर जिले की परिवर्तनशीलता 148.68% है जो दूसरा सर्वाधिक है।

440. राजस्थान में औसत वार्षिक वर्षा की सर्वाधिक परिवर्तनशीलता आलेखित करने वाले जिले हैं-

(a) अलवर, भरतपुर
(b) अजमेर, टोंक
(c) जैसलमेर, बाड़मेर
(d) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (c) राजस्थान में औसत वार्षिक वर्षा की सर्वाधिक परिवर्तनशीलता जैसलमेर व बाड़मेर में आलेखित की जाती है।

441. जलवायु की दृष्टि से, अधिकांशतः राजस्थान स्थित है-

(a) उष्ण कटिबन्ध में (b) उपोष्ण कटिबन्ध में
(c) शीत कटिबन्ध में (d) शीतोष्ण कटिबन्ध में

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (b) राजस्थान का अधिकांशतः क्षेत्र उपोष्ण कटिबंध में स्थित है। उपोष्ण कटिबंध से अभिप्राय उस क्षेत्र से है जहाँ कुछ महीने ताप अधिक और कुछ महीने ताप कम रहता है। यह क्षेत्र 30°-45° उत्तरी व दक्षिणी अक्षांशों के मध्य स्थित है।

442. राजस्थान की अधिकांश वर्षा किन मानसूनी पवनों से होती है?

(a) पूर्वी हवाए.
(b) पश्चिमी विक्षोभ
(c) दक्षिणी-पश्चिमी हवाएँ
(d) इनमें से कोई नहीं

कनिष्ठ अभियंता -2019

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (c) राजस्थान की अधिकांश वर्षा दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवनों से होती है। राजस्थान में वर्षा जुलाई से सितंबर के मध्य होती है। यहाँ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों ही शाखाओं से वर्षा होती है। बंगाल की खाड़ी के मानसून से अधिकांशतः वर्षा पूर्वी राजस्थान में होती है। अरब सागर के मानसून से अधिकांश वर्षा दक्षिणी राजस्थान में होती है। राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा झालावाड़ जिले में और सबसे कम वर्षा जैसलमेर जिले में होती है।